

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, कोलकाता संभाग

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN, KOLAKATA REGION

अर्ध वार्षिक परीक्षा / HALY YEARLY EXAMINATION, 2026-27

कक्षा/ CLASS :VIII

समय/ Time: 02:30 घंटे/ Hours

विषय/ SUBJECT : हिंदी / HINDI

अधिकतम अंक/ Max. Marks: 60

सामान्य निर्देश: निम्नलिखित निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़िए और उनका पालन कीजिए।

- इस प्रश्न पत्र में चार खंड दिए गए हैं-क, ख, ग, घ।
- यथासंभव चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

खण्ड-क (अपठित गद्यांश एवं काव्यांश)

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए: (5 × 1 = 5 अंक)

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान प्राप्त करना या डिग्रियाँ हासिल करना नहीं है, बल्कि मनुष्य के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। एक सच्ची शिक्षा वही है जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाए और उसमें नैतिक मूल्यों जैसे—ईमानदारी, सहानुभूति, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का संचार करे। आधुनिक युग में केवल साक्षर होना पर्याप्त नहीं है। आज के समाज को ऐसे नागरिकों की आवश्यकता है जो न केवल मानसिक रूप से कुशल हों, बल्कि सामाजिक रूप से भी जागरूक और संवेदनशील हों। शिक्षा हमें केवल जीविकोपार्जन (रोजी-रोटी कमाना) के योग्य नहीं बनाती, बल्कि जीवन को सही ढंग से जीने की कला भी सिखाती है। जो शिक्षा मनुष्य को समाज के कल्याण से नहीं जोड़ती, वह अधूरी है। इसलिए, वास्तविक ज्ञान वही है जो मानव को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाए और समाज में सकारात्मक बदलाव लाए।

I) शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य क्या है?

(क) केवल ऊँची डिग्रियाँ हासिल करना।

(ख) मनुष्य के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना

(ग) अधिक से अधिक धन कमाना

(घ) केवल साक्षर बनना

II) गद्यांश के अनुसार, एक सच्ची शिक्षा व्यक्ति को क्या बनाती है?

(क) आत्मनिर्भर और नैतिक

(ख) अहंकारी और चालाक

(ग) केवल नौकरी पाने के योग्य

(घ) समाज से अलग रहने वाला

III) आधुनिक युग में आज के समाज को कैसे नागरिकों की आवश्यकता है?

(क) जो मानसिक रूप से कुशल, सामाजिक रूप से जागरूक और संवेदनशील हों

(ख) जो बहुत अधिक अमीर हों

(ग) जो केवल अपने बारे में सोचें

(घ) जो पुस्तकीय ज्ञान में सबसे आगे हों

IV) गद्यांश में 'अधूरी शिक्षा' किसे कहा गया है?

(क) जो स्कूल में न ली गई हो

(ग) जिसमें विज्ञान न पढ़ाया गया हो

(ख) जो मनुष्य को समाज के कल्याण से नहीं जोड़ती

(घ) जिससे नौकरी न मिले

V) वास्तविक ज्ञान मनुष्य को किस ओर ले जाता है?

(क) अंधकार से प्रकाश की ओर

(ग) केवल सुख-सुविधाओं की ओर

(ख) प्रकाश से अंधकार की ओर

(घ) भ्रम और संदेह की ओर

2. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए: (1×5 = 5 अंक)

खड़ा हिमालय, बता रहा है, डरो न आँधी-पानी में।

खड़े रहो तुम अपने पथ पर, सब संकट-तूफानी में।

डिगो न अपने प्रण से तो तुम, सब कुछ पा सकते हो प्यारे।

तुम भी ऊँचे हो सकते हो, छू सकते हो नभ के तारे।

अचल रहा जो अपने पथ पर, लाख मुसीबत आने में।

मिली सफलता जग में उसको, जीने में, मर जाने में।

I) हिमालय हमें क्या प्रेरणा दे रहा है?

(क) चुपचाप बैठने की

(ग) संकटों का डटकर सामना करने की

(ख) मुश्किलों से घबराकर भाग जाने की

(घ) पहाड़ों पर चढ़ने की

II) 'नभ के तारे छूना' मुहावरे का पद्यांश के अनुसार क्या अर्थ है?

(क) आकाश में उड़ना

(ग) रात में जागना

(ख) महान या बहुत ऊँचे पद पर पहुँचना

(घ) तारों को तोड़कर लाना

III) जीवन में सफलता किसे मिलती है?

(क) जो मुसीबतों से डरकर अपना रास्ता बदल लेता है

(ग) जो हर मुसीबत में भी अपने कर्तव्य मार्ग पर अडिग रहता है

(ख) जो बिना मेहनत किए बैठा रहता है

(घ) जो दूसरों पर निर्भर रहता है

IV) पद्यांश में 'अचल' शब्द का क्या अर्थ है?

(क) चलने वाला

(ख) जो अपनी जगह से न हिले (स्थिर)

(ग) कमज़ोर

(घ) चंचल

V) इस कविता का उपयुक्त शीर्षक क्या हो सकता है?

(क) बहता पानी

(ख) सुंदर तारे

(ग) हिमालय की सीख

(घ) रात का दृश्य

खंड 'ख' - व्याकरण (10 अंक)

3. निम्नलिखित व्याकरणिक प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

I) निम्नलिखित में से 'संज्ञा' की दृष्टि से असंगत युग्म है- (1)

क) खुशी - जातिवाचक ख) भारत- व्यक्तिवाचक ग) गीता – व्यक्तिवाचक घ) आदमी -जातिवाचक

II) उचित सर्वनाम शब्द पहचान कर रिक्त स्थान में लिखे- (1/2x2= 1)

(क) _____ बाजार जा रहा हूँ। (मैं / हम) (ख) _____ क्या खा रहे हो? (तुम / वह)

III) हाथी और विद्वान पुल्लिंग शब्दों के स्त्रीलिंग रूप लिखिए- (1)

IV) गुड़िया और लतिका शब्दों के वचन एकवचन से बहुवचन में बदलिए- (1)

VI) 'राम ने रावण को मारा।' इस वाक्य में 'ने' किस कारक का चिह्न है? (1)

VI) 'मेहनती विद्यार्थी सफलता प्राप्त करते हैं।' इसमें विशेषण है— (1)

क) विद्यार्थी ख) सफलता ग) मेहनती घ) प्राप्त

VII) 'अंगूठा दिखाना' मुहावरों का उचित अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए- (1)

VIII) 'खून-पसीना एक करना' मुहावरों का उचित अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए- (1)

IX) निम्नलिखित शब्दों के विलोम (उल्टा) शब्द लिखिए- (1)

क) अंधकार ख) आदर ग) सत्य घ) अमृत

X) 'फूल' और 'पानी' शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए- (1/2x2=1)

खंड 'ग' — पाठ्यपुस्तक मल्हार (25 अंक)

4. पठित गद्यांश को पढ़कर बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (1×4 = 4 अंक)

"यह भूमि चारों ओर सुंदर हरे-हरे पर्वतों से घिरी है। इस परम पवित्र स्थान पर पहुँचते ही मन एकदम शांत हो जाता है। यहाँ चित्त में बारंबार ज्ञान, वैराग्य और भक्ति का उदय होता था। संसार के प्रपंचों और झगड़े-लड़ाई का तो यहाँ कहीं नाम भी नहीं था। चारों ओर केवल आनंद और शांति का साम्राज्य था। यहाँ की कुशा (घास) सबसे विलक्षण और अनोखी होती है, जिसमें से दालचीनी, जावित्री इत्यादि की अच्छी सुगंध आती है। मानो यह प्रत्यक्ष प्रगट होता है कि यह ऐसी पुण्यभूमि है कि यहाँ की साधारण घास भी ऐसी सुगंधमय है। ऐसे पवित्र वातावरण में रहकर मनुष्य अपने सभी दुखों को भूलकर ईश्वर की भक्ति में लीन हो जाता है।"

I) गद्यांश के अनुसार हरिद्वार की भूमि पर पहुँचते ही मनुष्य के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(क) मन अशांत और व्याकुल हो जाता है

(ख) मन एकदम शांत हो जाता है

(ग) मन में क्रोध की भावना जागती है

(घ) मन उदास और दुखी हो जाता है

II) इस पुण्यभूमि पर चारों ओर किसका साम्राज्य दिखाई देता है?

(क) केवल आनंद और शांति का

(ख) शोर-शराबे और प्रदूषण का

(ग) आधुनिकता और मशीनों का

(घ) व्यापार और लालच का

III) हरिद्वार की घास (कुशा) से किन मसालों जैसी अच्छी सुगंध आती है

(क) हींग और जीरा

(ख) दालचीनी और जावित्री

(ग) हल्दी और मिर्च

(घ) लौंग और इलायची

IV) लेखक के अनुसार ऐसे पवित्र वातावरण में रहकर मनुष्य क्या करता है?

(क) सांसारिक झगड़ों में उलझ जाता है.

(ख) अपने सभी दुखों को भूलकर ईश्वर की भक्ति में लीन हो जाता है.

(ग) धन कमाने की चिंता करने लगता है

(घ) नए तीर्थ स्थानों की खोज में निकल जाता है

5. निम्नलिखित 5 में से 4 लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2×4 = 8 अंक)

- (I) 'दो गौरैया' कहानी के आधार पर बताइए कि पिताजी ने अपने ही घर को 'सराय' क्यों कहा था और वहाँ वास्तविक मालिकों की तरह कौन व्यवहार करता था?
- (II) बड़े वृक्ष साधुओं की तरह तपस्या करते हुए हर मौसम को सहते हैं।" इस पंक्ति के माध्यम से लेखक समाज को क्या संदेश देना चाहते हैं?
- (III) 'दो गौरैया' कहानी से हमें पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता से जुड़ी क्या व्यावहारिक शिक्षा मिलती है?
- (IV) "हरिद्वार" पाठ केवल एक धार्मिक यात्रा का विवरण नहीं है, बल्कि प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण का संदेश भी है, स्पष्ट कीजिए।
- (V) "किसी को सचमुच बाहर निकालना हो, तो उसका घर तोड़ देना चाहिए" - पिताजी ने गुस्से में यह बात क्यों कही और गौरैया का घोंसला हटाते समय उनके हाथ क्यों ठिठक गए?

6. पठित काव्यांश को पढ़कर बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (1×5 = 5 अंक)

वह हृदय नहीं है पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।

जो जीवित जोश जगा न सका, उस जीवन में कुछ सार नहीं।

जो चल न सका संसार-संग, उसका होता संसार नहीं।

जिसने साहस को छोड़ दिया, वह पहुँच सकेगा पार नहीं।

जिससे न जाति-उद्धार हुआ, होगा उसका उद्धार नहीं।

(i) कवि ने किस प्रकार के हृदय को पत्थर के समान माना है?

(अ) जो बहुत कठोर निर्णय लेता है

(ब) जिसमें अपने देश के प्रति प्रेम का भाव नहीं होता

(स) जिसमें साहस की अत्यधिक कमी होती है

(द) जो संसार के साथ चलने से डरता है

(ii) 'उस जीवन में कुछ सार नहीं' पंक्ति के माध्यम से कवि क्या स्पष्ट करना चाहते हैं?

(अ) जो जीवन धन-दौलत से रहित हो

(ब) जो जीवन स्वयं में उत्साह और देश-प्रेम का जोश न जगा सके

(स) जो व्यक्ति केवल अपने परिवार के बारे में सोचता हो

(द) जो संसार के नियमों का पालन न करता हो

(iii) लक्ष्य तक पहुँचने या पार जाने के लिए कवि ने किसे अनिवार्य माना है?

(अ) तोप और तलवार को

(ब) संसार के लोगों के सहयोग को

(स) अटूट साहस और इच्छाशक्ति को

(द) भाग्य के भरोसे बैठे रहने को

(iv) 'संसार-संग' शब्द में प्रयुक्त रेखांकित चिह्न (-) को व्याकरण की दृष्टि से क्या कहते हैं?

(अ) अल्पविराम चिह्न

(ब) योजक चिह्न

(स) निर्देशक चिह्न

(द) विस्मयादिबोधक चिह्न

(v) इस काव्यांश के रचयिता निम्नलिखित में से कौन हैं?

(अ) दुष्यंत कुमार

(ब) सोहनलाल द्विवेदी

(स) भीष्म साहनी

(द) गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'

7. निम्नलिखित 5 प्रश्नों में से किन्हीं 4 लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (2×4 = 8 अंक)

(I) 'स्वदेश' कविता के आधार पर बताइए कि एक सच्चे देशभक्त के क्या कर्तव्य होने चाहिए?

(II) 'एक आशीर्वाद' कविता में कवि बच्चे को संघर्ष और आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित करता है। आपके अनुसार बच्चों को आत्मनिर्भर होना क्यों आवश्यक है?

(III) कबीरदास जी के अनुसार वाणी कैसी होनी चाहिए और क्यों?

(IV) 'एक आशीर्वाद' कविता में "भावना की गोद से उतरकर जल्द पृथ्वी पर चलना सीखें" पंक्ति के माध्यम से कवि नई पीढ़ी को क्या संदेश देना चाहता है?

(V) "मोल करो तरवार का, पड़ा रहन दो म्यान"— इस पंक्ति के माध्यम से कबीर दास जी आज के आधुनिक समाज की किस कुरीति पर प्रहार कर रहे हैं?

खंड 'घ' - लेखन कौशल (15 अंक)

8. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए (60-80 शब्द)- (5 अंक)

(क) सोशल मीडिया का जीवन पर प्रभाव

(ख) मेरे जीवन का लक्ष्य

(ग) यदि मैं वृक्ष होता.....

9. औपचारिक / अनौपचारिक पत्र मे से किसी एक का उत्तर लिखिए- (5 अंक)

अपने क्षेत्र में सफाई की व्यवस्था हेतु नगर निगम अधिकारी को पत्र लिखिए।

अथवा

अपनी किसी यात्रा का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए

10. चित्र वर्णन अथवा संवाद लेखन दोनों मे से किसी एक का उत्तर लिखिए- (5 अंक)

(क) मोबाइल फोन के अत्यधिक प्रयोग पर पिता और पुत्र के बीच 5-6 पंक्तियों में संवाद लिखिए।

अथवा

(ख) प्रस्तुत चित्र का 50-60 शब्दों में वर्णन कीजिए


